

वार्तालाप नं.1254, वेल्लूर, भाग-1, तारीख-27.11.11
Disc.CD No.1254, dated 27.11.11 at Vellore, Part-1
Extracts

(समय:-00:04:27-00:06:16)

जिज्ञासु – बाबा, योगिनी माता को रुद्रमाला में पवित्रता में फर्स्टक्लास बोलते हैं और उनका पार्ट सतयुग में क्या होगा और संगमयुग में क्या होगा, कैसे होगा?

बाबा – पार्ट, ऊँच ते ऊँच पार्ट कौनसा है और ऊँच ते ऊँच पार्टधारी कौनसे युग में बनते हैं?

जिज्ञासु – संगमयुग में।

बाबा – संगमयुग में जो ऊँच ते ऊँच पार्टधारी बनते हैं वो जन्म-जन्मान्तर के ऊँच पार्टधारी बनते हैं। सतयुग में ऊँच पार्ट कहेंगे या संगम में ऊँच पार्ट कहेंगे?

जिज्ञासु – संगम।

बाबा – सतयुग में ऊँच ते ऊँच पार्ट कौनसा है? कृष्ण का ऊँच ते ऊँच पार्ट है परंतु उनसे भी ऊँच पार्ट किसका है? जो कृष्ण का रचयिता है। रचयिता रचना से सदैव ऊँचा होता है। बाप ऊँचा या बच्चा ऊँचा? बाप ऊँचा। तो संगमयुग में जो विशेष पार्टधारी है वो संगमयुग में ऊँच ते ऊँच पार्ट धारण कर लेते हैं। क्योंकि संगमयुग से ही सतयुग की शुरुआत होती है या सतयुग में ही होगी?

जिज्ञासु – संगमयुग में।

बाबा – संगम में ही स्वर्ग स्थापन हो जाता है। इसलिए जो पहले-2 नम्बर में ऊँच बनते हैं वो फिर उस युग में नीचे उतरते जाते हैं। अपने बच्चों को देते जाते हैं फिर जब नया युग आयेगा तो फिर ऊँच पार्टधारी बनेंगे।

Time: 4.27-6.16

Student: Baba, mother Yogini is said to be No.1 in purity in the *Rudramala*¹. What will her part in the Golden Age and in the Confluence Age be? How will it be?

Baba: Which is the highest *part* and in which age do you become the highest actors?

Student: In the Confluence Age.

Baba: Those who become the highest actors in the Confluence Age become high actors for many births. Will the part in the Golden Age be called a high *part* or will the part in the Confluence Age be called a high *part*?

Student: Confluence Age.

Baba: Which is the highest *part* in the Golden Age? Krishna's part is the highest *part*, but whose *part* is higher than his? Krishna's creator. The creator is always higher than the creation. Is the Father high or is the child high? The Father is high. So, the special actors in the Confluence Age take on the highest *part* in the Confluence Age because does the Golden Age begin from the Confluence Age itself or will it begin in the Golden Age itself?

Student: In the Confluence Age.

Baba: Heaven is established in the Confluence Age itself. This is why those who become high in the first *number* start descending in that age. They go on giving [the high position] to their children; then when the new age comes, they will become high actors.

(समय:-00:06:33-00:12:31)

जिज्ञासु – जगदम्बा का मर्तबा ईश्वर से भी बड़ा है ?

¹ The rosary of Rudra

बाबा – हाँ, जब राजायें गद्दी पर बैठते हैं तो राजा के साथ रानी भी बैठती हैं गद्दी पर। उसे राजलक्ष्मी कहा जाता है। तो राजलक्ष्मी की गद्दी ऊँची होती है या राजमाता की गद्दी ऊँची होती है?

जिज्ञासु – राजमाता।

बाबा – तो कौन ऊँचा हुआ? राजमाता ऊँची हो गई क्योंकि ये नियम बाबा ने बनाया है कि मातागुरु बिगर कोई का उद्धार हो नहीं सकता। तो माता को गुरु बना लिया तो माता ऊँची हुई या चेला ऊँचा हुआ? हम ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया में माता कौन है बड़े ते बड़ी? जगदम्बा है या दादा लेखराज ब्रह्मा है?

जिज्ञासु – जगदम्बा।

बाबा – जगदम्बा है। क्योंकि दादा लेखराज ब्रह्मा उनका तो शरीर ही नहीं रहा। नाम बाला शरीरधारी का होता है या आत्मा का होता है? शरीरधारी का होता है और यज्ञ के आदि में भी ब्रह्मा तो नहीं थे पहले, कौन था? पहले माता थी या पहले ब्रह्मा था या पहले प्रजापिता था? पहले कौन? यज्ञ माता थी। माता से ही बच्चे का जन्म होता है। तो पहला—2 ब्राह्मण बच्चा कौन?

जिज्ञासु – प्रजापिता।

Time: 6.33-12.31

Student: Jagdamba's position is higher than that of even God.

Baba: Yes, when kings sit on the throne, then the queen also sits on the throne along with the king. She is called *Rajlakshmi* (queen). So, is the seat of *Rajlakshmi* higher or is the seat of the *Rajmata* (queen mother) higher?

Student: *Rajmata* (queen mother).

Baba: So, who is higher? *Rajmata* is higher because Baba has framed this rule that nobody can be uplifted without the mother guru. So, if you made the mother a guru, then is the mother high or is the disciple high? Who is the seniormost mother in our Confluence Age world of Brahmins? Is it Jagdamba or is it Dada Lekhraj Brahma?

Student: Jagdamba.

Baba: It is Jagdamba because Dada Lekhraj Brahma's body is no more. Does the bodily being become famous or does the soul become famous? The bodily being becomes famous and even in the beginning of the *yagya* Brahma wasn't present in the beginning; who was there? Was there the mother first, was there Brahma first or was there Prajapita first? Who was first? It was *yagya mata* (mother of the *yagya*). It is from the mother that the child is born. So, who is the first Brahmin child?

Student: Prajapita.

बाबा – प्रजापिता। प्रजापिता जो पहला—2 ब्राह्मण बच्चा है उसने जन्म किससे लिया? ब्राह्मण बनने के लिए तो ब्रह्मा चाहिए ना। ब्रह्मा के बिगर ब्राह्मण कहाँ से आया? तो कौन हुआ ब्रह्मा? जगदम्बा पहला—2 ब्रह्मा हुआ। ब्रह्मा माना ही बड़ी माँ। जो प्रजापिता की भी माँ है, वो सारे जगत की माँ साबित हो जाती है और माता को गुरु बनना पड़े। अगर माता की अवहेलना हुई तो सद्गति मिलने वाली नहीं है, स्वर्ग के गेट खुलने वाले नहीं हैं। स्वर्ग के गेट खुलने हैं ना। गेट खुलते हैं तो कितने दरवाजे होते हैं? दो दरवाजे होते हैं। कौन हैं दो दरवाजे? जिनका पार्ट संगमयुग में सबके लिए खुल जावेगा कि ये हैं ऊँच ते ऊँच? लक्ष्मी और नारायण। भल कहते हैं कि इन लक्ष्मी—नारायण का कब जन्म हुआ? कब जन्म हुआ? मुरली के अनुसार इन लक्ष्मी—नारायण का जन्म कब हुआ? आज से 10 वर्ष कम 5000 वर्ष हुए। तो कौनसा टाईम निकला? ये 66 की मुरली है। उस मुरली के अनुसार सन् 76 आता है लक्ष्मी—नारायण का जन्म हुआ। जन्म होना माना पहली—2 प्रत्यक्षता। तो जो पहली—2 प्रत्यक्षता रूपी जन्म हुआ, तो क्या जन्म हो गया? सबकी बुद्धि में बैठ गया कि बच्चा पैदा हो

गया? अरे, मोहल्ले में बच्चा पैदा होता है तो मोहल्ले वाले सब मानते हैं ना बच्चा पैदा हुआ या कोई ये भी कहता है कि पता नहीं बच्चा पैदा हुआ है कि नहीं हुआ? ऐसे होता है क्या? नहीं। तो सन् 76 में सबने पक्का—2 सौ परसेन्ट मान लिया कि ये नारायण है? माना? कोई ने नहीं माना। आज मानते हैं कल अनिश्चय पैदा हो जाता है। तो बच्चा पैदा हुआ तब कहा जाये जब जो सामने आये, जो सुने और जो देखे उसके मुँख से क्या निकले? मेरा बाप आ गया। और बाप बच्चे के द्वारा प्रत्यक्ष होगा, बाप तो बिंदु है, निराकार है या साकार है? भगवान बाप क्या है? निराकार है। तो कैसे प्रत्यक्ष होगा? बाप तो बच्चे के द्वारा ही प्रत्यक्ष होते हैं। तो बच्चा प्रत्यक्ष हुआ तब कहा जाये कि जो सामने आये उसे मानना पड़े कि ये प्रत्यक्षता हो गई, ये जन्म हो गया।

Baba: Prajapita. From whom did Prajapita, the first Brahmin child receive birth? Brahma is required to become a Brahmin, isn't he? How can there be a Brahmin without Brahma? So, who is Brahma? Jagdamba is the first Brahma. Brahma itself means the senior mother. The one who is Prajapita's mother is proved to be the mother of the entire world and the mother will have to be made a guru. If you disobey the mother, you will not achieve true liberation (*sadgati*); the gates of heaven will not open. The gates of heaven are to open, aren't they? When a gate is opened, then how many doors does it have? It has two doors. Which are the two doors? Their *part* will be revealed to everyone in the Confluence Age that these are the highest ones. Lakshmi and Narayan. Although it is said that when were this Lakshmi and Narayan born? When were they born? As per the murli when were these Lakshmi and Narayan born? 10 years less from today, 5000 years ago. So, what *time* do we come to? This is a murli of 66. As per that murli it is 76 when Lakshmi and Narayan were born. To be born means the first revelation. So, were they born when the revelation like birth took place? Did it sit in everybody's intellect that a child is born? *Arey*, when a child is born somewhere, then all the people of the area accept that a child is born or does anyone say that who knows whether a child has been born or not? Does it happen so? No. So, did everyone accept 100 percent firmly in 1976 that this one is Narayan? Did they accept? Nobody accepted it. They accept it today and raise doubts tomorrow. So, a child is said to be born only when whoever comes in front of Him, whoever listens to Him and whoever sees Him, what should come out of his mouth? My father has come. And the Father will be revealed through the child. Is the Father a point, incorporeal or is He corporeal? What is God the father? He is incorporeal. So, how will He be revealed? The Father is revealed only through the child. So, it will be said that the child is revealed when whoever comes in front of him has to accept that the revelation has taken place, the birth has taken place.

जिज्ञासु — ईश्वर के बाद ही जगदम्बा की इतनी महिमा होती है?

बाबा — हाँ, ईश्वर जो है, वो ईश वर, ईश माना शासन करने वाला, वर माना श्रेष्ठ। जो शासन करने वाला बच्चा होता है उससे पूछा जाये, उसकी माँ को सामने रख दिया जाये। बोलो—तुम बड़े या तुम्हारी अम्मा बड़ी? तो क्या कहेगा? अम्मा को ही बड़ा बतायेगा ना कि अपने को बड़ा बतायेगा? लायक होगा तो माँ को आगे रखेगा, नालायक होगा तो अपने को आगे कर देगा।

Student: Is Jagdamba praised so much after God (*Ishvar*)?

Baba: Yes, *Ishvar* means *Ish var*, *ish* means the one who governs, *var* means elevated. If a son is a governor and he is asked - his mother is brought in front of him and asked - are you greater or is your mother greater? So, what will he say? He will call his mother greater or will

he call himself greater? If he is a worthy [child], he will keep the mother ahead of him; if he is unworthy, he will keep himself ahead.

(समय:-00:12:34-00:13:34)

जिज्ञासु – नारायण सबसे श्रेष्ठ है बाबा लेकिन लक्ष्मी के बाद इनका नाम है लक्ष्मी-नारायण कहते हैं।

बाबा – नाम का आधार क्या है?

जिज्ञासु – काम है लेकिन...

बाबा – तो नारायण ने ज्यादा काम कर के दिखाया प्रैक्टिकल में, प्रैक्टिकल जीवन में, प्रैक्टिकल पुरुषार्थी जीवन में नारायण ने ज्यादा काम कर के दिखाया या लक्ष्मी ने ज्यादा काम कर के दिखाया?

जिज्ञासु – लक्ष्मी।

बाबा – लक्ष्मी ने ज्यादा किया। क्यों? किस आधार पर?

जिज्ञासु – पवित्रता।

बाबा – प्योरिटी के आधार पर। नारायण तो पुरुष है या स्त्री चोला है? पुरुष सारे ही इस दुनिया के पुरुषार्थी जितने भी पुरुष है वो दुर्योधन-दुःशासन हैं या नारियाँ सारी दुर्योधन-दुःशासन हैं?

जिज्ञासु – पुरुष।

बाबा – पुरुष दुर्योधन-दुःशासन है। अब वो चाहे ब्रह्मा हो, चाहे प्रजापिता ब्रह्मा हो या कोई भी पुरुषार्थी मात्र हो। पुरुष चोला है तो क्या है? सब दुर्योधन-दुःशासन।

Time: 12.34-13.34

Student: Baba, Narayan is the greatest one, but his name is taken after Lakshmi; it is said: Lakshmi-Narayan.

Baba: What is the basis of a name (*naam*)?

Student: It is the task (*kaam*), but....

Baba: So, Narayan performed a greater task in practice, in the *practical* life; in the *purusharthi* life (life of making spiritual effort) did Narayan perform a greater task or did Lakshmi perform a greater task?

Student: Lakshmi.

Baba: Lakshmi performed greater Task. Why? On what basis?

Student: Purity.

Baba: On the basis of *purity*. Is Narayan a male or does he have a female body? Are all men, the *purusharthi* (those who make spiritual effort) men of this world Duryodhans and Dushasans² or are all women Duryodhans and Dushasans?

Student: The men.

Baba: The men are Duryodhans and Dushasans. Well, whether it is Brahma, whether it is Prajapita Brahma or any *purusharthi*. If someone has a male body, what is he? All are Duryodhans and Dushasans.

(समय:-00:13:44-00:16:28)

जिज्ञासु – दुनिया की पढ़ाई डॉगली पढ़ाई क्यों कहा जाता है?

बाबा – क्योंकि दुनियावी पढ़ाई जो पढ़ाई जा रही है वो विदेशी पढ़ाई का तत्व उसमें ज्यादा है या स्वदेशी पढ़ाई का तत्व ज्यादा है उसमें? विदेशी पढ़ाई है। विदेशों में सबसे बड़ा अवगुण क्या आ गया है जो भारत में अवगुण नहीं था? व्यभिचार। विदेशी जो होते हैं वो

² Duryodhan, Dushasan: Villainous characters in the epic Mahabharata

व्यभिचारी होते हैं। एक स्त्री से, एक पति से कभी भी संतुष्ट रहने वाले जिदंगी में नहीं हैं क्योंकि उनमें विकार जास्ती होते हैं। इसलिए व्यभिचारी होने के कारण वैश्यालय बनाने वाले हैं दुनिया को। इसलिए जो पढ़ाई वैश्यालय बनाने वाली है वो नीचे गिराने वाली है या सिर ऊँचा उठाने वाली है? नीचे गिराने वाली है। अरे, नाम ही दे दिया डॉगली पढ़ाई, गॉडली पढ़ाई। गॉडली पढ़ाई से क्या बनते हैं? गॉड एण्ड गॉडेज बनते हैं। अच्छा, डॉगली पढ़ाई से क्या बनते हैं? कुत्ता और कुत्तियाँ बनते हैं। तो कुत्ता-कुत्तियाँ बनना कौन पसंद करेगा? जिसकी बुद्धि में नहीं बैठा होगा ईश्वरीय ज्ञान वही कुत्ता-कुत्तियाँ बनना पसंद करेगा। किसी को गाली देते हैं तो क्या कहते हैं? हे कुत्ती! तो ये गाली खराब क्यों है? हे कुत्ता! खराब क्यों मानी जाती है? क्योंकि कुत्ता-कुत्तियाँ जो हैं वो व्यभिचार का पोशण करने वाले हैं। जो व्यभिचार का पोशण करने वाले हैं वो सृष्टि को गड्ढे में ले जाने वाले हैं या सृष्टि को ऊँचा उठाने वाले हैं?

जिज्ञासु – गड्ढे में।

बाबा – हाँ, एक गॉड ही है जो ऊँचा उठाने वाला है सारी सृष्टि को। तो वो आकर नर से नारायण बनाता है। माया जब से आती है तो सबको कुत्ता-कुत्तियाँ बनाती हैं, बंदर-बंदरियाँ बनाती हैं।

Time: 13.44-16.28

Student: Why is the worldly education called dogly education?

Baba: It is because does the worldly education that is being imparted contain more elements of foreign education or Indian education? It contains foreign education. Which is the biggest vice that has permeated in the foreign countries which was not present in India? Adultery (*vyabhicaar*). The foreigners are adulterous. They are never satisfied with one wife or one husband in their life because they have more vices. This is why because of being adulterous they make the world a brothel. This is why, does the education that leads to formation of a brothel bring downfall or does it enable you to raise your head high? It brings downfall. *Arey*, the very name is *dogly* education, *godly* (Divine) education. What do we become through *godly* education? We become *god and goddess*. *Achhaa*, what do we become through *dogly* education? We become dogs and bitches. So, who would like to become dogs and bitches? Only the one in whose intellect the Divine knowledge has not sat would like to become dogs and bitches. When someone insults someone, what does he say? 'O bitch!' So, why is this bad word? 'O dog!' Why is it considered bad? It is because dogs and bitches promote adultery. Do those who promote adultery take the world into pit or do they enable the world to rise?

Student: [They take it] to pit.

Baba: Yes, it is God alone who enables the entire world to rise. So, He comes and makes [us] from man to Narayan. Ever since Maya comes, she makes everyone dogs and bitches, he-monkeys and she-monkeys.

(समय:-00:16:38-00:17:36)

जिज्ञासु – पहले का जो मुरली था उसमें लिखता था कि शिव माता में आता था और ब्रह्मा लिखता था। ऐसा कैसा हो सकता है क्योंकि शिव तो माता में आ नहीं सकता।

बाबा – माता में नहीं आ सकता कि कन्या में नहीं आ सकता?

जिज्ञासु – माता में आ सकता है?

बाबा – माता में आ सकता है। माता और कन्या में तो अंतर है। कन्या पवित्र होती है। पवित्र में बाप नहीं आ सकता और माता? माता तो माता है ना। तो माता के लिए ये बात जो बोली गई है कि ऐसी-2 मातायें थी, ऐसे-2 बच्चे थे जो मम्मा-बाबा को भी डायरेक्शन देते

थे, झिल कराते थे, टीचर बनकरके बैठते थे। उनमें बाप प्रवेश करते थे। मुरली में आ गया। तो वो माता कन्या रही होगी या माता ही रही होगी? माता ही थी।

Time: 16.38-17.36

Student: In the olden murlis, it was written that Shiva entered the mother and Brahma wrote [the murli]. So, how can this be possible because Shiva can't enter a mother?

Baba: Can't He come in a mother or can't He come in a virgin?

Student: Can He come in a mother?

Baba: He can come in a mother. There is a difference between a mother and a virgin. A virgin is pure. The Father cannot enter in a pure one and what about the mother? Mother is a mother, isn't she? So, the topic that has been spoken for the mother that there were such mothers, such children who used to give directions even to Mamma and Baba, they made them perform *drill*, they used to sit as their teachers; the Father used to enter them. It was mentioned in the murli. So, would the mother have been a virgin or only a mother? She was only a mother.

(समय:—00:18:46—00:21:28)

जिज्ञासु – बाबा, मुरली में शुद्ध अहंकार और अशुद्ध अहंकार के बारे में बताया। इसका क्लारिफिकेशन?

बाबा – दुनिया की हर चीज़, हरेक गुण, हरेक विकार, हरेक धर्म पहले सतोप्रधान होता है या तमोप्रधान होता है?

जिज्ञासु – सतोप्रधान।

बाबा – तो अहंकार भी विकार है या नहीं? विकार है। तो पहले—2 वो सतोप्रधान था या तमोप्रधान था? पाँच विकार भी सतयुग के आदि में सौ परसेन्ट सतोप्रधान थे। रावण के पाँच विकार, काम विकार। इतनी बड़ी दुनिया है, इतनी बड़ी दुनिया में कोई सौ परसेन्ट कामी बनकरके रहा होगा कि नहीं रहा होगा? जो सौ परसेन्ट कामी बनकरके रहा होगा दुनिया में वो सब कामियों का बाप हुआ या नहीं हुआ? बीज हुआ या नहीं हुआ? वो बीजरूप आत्मा ब्राह्मणों की दुनिया में होगी या नहीं होगी?

जिज्ञासु – होगी।

Time: 18.46-21.28

Student: Baba, there is a mention of pure pride and impure ego in the murlis. What is its clarification?

Baba: Is everything, every virtue, every vice, every religion in the world *satopradhaan* in the beginning or is it *tamopradhaan*?

Student: *Satopradhaan*.

Baba: So, is ego also a vice or not? It is a vice. So, was it *satopradhaan* or *tamopradhaan* initially? The five vices were also hundred percent *satopradhaan* in the beginning of the Golden Age. The five vices of Ravan; the vice of lust... there is such a big world; in such a big world would there have been a hundred percent lustful person or not? Is the person who would have been hundred percent lustful in the world the father of all the lustful ones or not? Is He the seed or not? Will that seed form soul be in the world of Brahmins or not?

Student: It will be.

बाबा – होगी। उसी को शास्त्रों में गाया हुआ है गौतम ऋषि। वो ऋषि में भी दो पार्ट्स है एक कर्म के आधार पर। कर्म शरीर से किया जाता है कि आत्मा कर्म करती है? शरीर के द्वारा आत्मा कर्म करती है। शरीर को बीज नहीं कहेंगे; आत्मा को बीज कहेंगे। तो गौतम

ऋषि की कोई बीजरूप आत्मा भी है वो काम विकार का बीज हो गया इसलिए कहा जाता है गौ तम। श्रेष्ठ तम और गौ माना इन्द्रियाँ। इन स्थूल इन्द्रियों से जिसने सबसे जास्ती सुख भोगा वही हुआ गौतम। उसकी पत्नी का नाम क्या दे दिया? अहिल्या।

Baba: It will be. He himself has been praised as sage Gautam in the scriptures. There are two [souls who play the] part of that sage. One [soul] is that according to the actions. Are actions performed through the body or does the soul perform actions? The soul performs actions through the body. The body will not be called the seed; the soul will be called the seed. So, there is a seed form soul of sage Gautam as well; he is the seed of the vice of lust; this is why it is said *Gau tam*. The highest one (*shreshth tam*); and *gau* means *indriyaan*³. The one who experienced the maximum pleasure through these physical *indriyaan* is Gautam. What was the name given to his wife? Ahilya.

(समय:-00:22:52-00:23:46)

जिज्ञासु – ज्ञानसूर्य का पार्ट, ज्ञान सागर का पार्ट दोनों एक ही समय में चलता है या अलग चलता है?

बाबा – सूर्य धरणी से चिपक के रहता है या सागर चिपक के रहता है? कौन रहता है?

जिज्ञासु – सागर।

बाबा – सागर धरणी से चिपक के रहता है और सूर्य? सूर्य सदैव धरणी से डिटैच होकर रहता है या अटैच होकर रहता है? डिटैच होकर रहता है। तो ज्ञानसूर्य वास्तव में शिव है। वो ज्ञानसूर्य जिसमें प्रवेश करता है उसको कहा जाता है ज्ञानसागर। बहुत गहरा है। सागर की गहराई जितनी है वो आज तक किसी ने नाप ही नहीं पाई कितना गहरा है।

Time: 22.52-23.46

Student: Is the part of the Sun of Knowledge and the Ocean of Knowledge played simultaneously or at different times?

Baba: Does the Sun remain stuck to the earth or does the ocean remain stuck? Who remains stuck?

Student: The ocean.

Baba: The ocean remains stuck to the land and what about the Sun? Does the Sun always remain detached from earth or does it remain attached? It remains detached. So, actually the Sun of knowledge is Shiva. The one in whom the Sun of knowledge enters is called the ocean of knowledge. It is very deep. Nobody has been able to measure the depth of the ocena so far that how deep it is.

(समय:-00:23:55-00:26:13)

जिज्ञासु – लक्ष्मण ने लक्ष्मण रेखा खींचा था, उसका क्या रहस्य है?

बाबा – लक्ष्मण रेखा मतलब ही है कि अगर उस रेखा को उल्लंघन न किया जिसका नाम है लक्ष्मण रेखा तो लक्ष्य प्राप्त होगा। नारी का लक्ष्य क्या है? सीता का लक्ष्य क्या है? लक्ष्मी बनना। लेकिन सीता लक्ष्मी बनती है या नहीं बनती है? जिसने लक्ष्मण रेखा को पार कर दिया, क्रॉस कर दिया वो लक्ष्मी बनती है या नहीं बनती है? नहीं बनती है। वो सीता जिसने लक्ष्मण रेखा को पार नहीं किया, क्रॉस नहीं किया वो लक्ष्मी बन जाती है। तो सीतार्ये भी दो हो गईं। रामायण में भी ये बात आई है जिस सीता ने लक्ष्य को क्रॉस नहीं किया, रेखा को पार नहीं किया उसके लिए बोला है तुम पावक में करो निवासा— तुम योगाग्नि में निवास

³ Parts of the body used to perform actions and the sense organs

करो, जब लगे करौ निशाचर नासा— तब तक योगाग्नि में निवास करो जब तक मैं इन निशाचरों का नाश कर दूँ। तुम योगाग्नि में रहो; ये नहीं कहा वियोगाग्नि में रहो। काहे में रहो? योगाग्नि में।

Time: 23.55-26.13

Student: Lakshman drew the *Lakshman rekha* (line of Lakshman); what is its secret?

Baba: The very meaning of *Lakshman rekha* is that if you do not cross that line, which is named *Lakshman rekha*, then you will achieve the goal (*lakshya*). What is the goal of a woman? What is the goal of Sita? To become Lakshmi. But does Sita become Lakshmi or not? Does the one who crossed the *Lakshman rekha* become Lakshmi or not? She doesn't. The Sita, who did not cross the *Lakshman rekha* becomes Lakshmi. So, there are two Sitas. It has been mentioned in the Ramayana as well that the Sita who did not *cross* the goal, the one who did not cross the line '*tum paavak me karo nivaasaa*', reside in the fire of yoga; '*jab lagey karau nishaachar naasaa*', reside in the fire of yoga until I destroy these demons. Be in the fire of yoga. It wasn't said be in the fire of separation (*viyogaagni*). Where should you reside? In the fire of yoga.

जिज्ञासु – एक सीता को तो भूमि में जाते हुए दिखाते हैं।

बाबा – हाँ, भूमि में जो नीचे जाती है, नीचे जानेवाला पक्का पुरुषार्थी होगा या ऊपर रहनेवाला पक्का पुरुषार्थी होगा?

जिज्ञासु – ऊपर।

बाबा – फिर? देह अभिमान की धरणी से ही पैदा होती है और देह अभिमान की धरणी में ही समा जाती है।

Student: One Sita is shown going into the earth.

Baba: Yes, the one who goes down into the earth... will the one who goes down be a perfect *purusharthi* or will the one who remains above be a perfect *purusharthi*?

Student: Above.

Baba: Then? And she is born from the earth of body consciousness and she merges into the earth of body consciousness itself.

(समय:—00:28:06—00:29:55)

जिज्ञासु – अंत में सब कुछ , सबकुछ पढ़ाई पढ़कर सब कुछ सतयुग में भूल जाते हैं।

बाबा – अच्छा, अगर सत् याद कर लिया, अगर सार याद कर लिया तो सब कुछ भूलना अच्छा है या न भूलना अच्छा है? दुनिया में भी जो पढ़ाईयाँ पढ़ते हैं, इतने मोटे—2 ग्रंथ—शास्त्र पढ़ते हैं, बीस—2 साल, पच्चीस—2 जिंदगी भर पढ़ते रहते हैं और पढ़ाई पढ़ने के बाद जब पद मिल जाता है, कुर्सी पर बैठ जाते हैं तो सब भूल जाते हैं कि याद रहता है? भूल जाते हैं। सार याद रह जाता है। तो ऐसे ही सारे ज्ञान का सार क्या है?

जिज्ञासु – याद।

बाबा – याद। कौनसी याद? परमात्मा की याद या आत्मिक स्थिति की याद? आत्मिक स्थिति जब पक्की बन जाती है तो सब कुछ भूलना ही अच्छा है। क्योंकि देवताओं को अगर वर्तमान के अलावा भूत और भविष्य की याद रहेगी तो उनका सारा सुख मट्टी हो जायेगा या सुख बना रहेगा? सब बेकार हो जायेगा। उनको वही याद आता रहेगा कि हम नीचे गिरेंगे। अरे, हम तो संगमयुग में उतने ऊँचे थे, संगमयुग में हमारा मान—मर्तबा कितना ऊँचा था। अब तो सिर्फ हम थोड़े लोगों के सामने ऊँच और नीच की बात ही नहीं है; अभी तो सब आत्मा है, आत्मिक स्टेजवाले हैं। वहाँ न कोई ऊँचा है, न कोई नीचा है।

Time: 28.06-29.55

Student: We learn everything; we study the entire knowledge and forget everything in the end, in the Golden Age.

Baba: *Acchaa*, if you remember the truth (*sat*), if you remember the essence (*saar*), then is it good to forget everything [else] or is it good not to forget? The education that people receive in the world, the voluminous scriptures that they read, they read it for twenty, twenty five years, for their entire life and after studying the knowledge when they get the position, when they sit on the seat, then do they forget everything or do they remember it? They forget. They remember the essence. So, similarly what is the essence of the entire knowledge?

Student: Remembrance.

Baba: Remembrance. Which remembrance? Is it the remembrance of the Supreme Soul or the remembrance of the soul conscious stage? When the soul conscious stage becomes firm, then it is better to forget everything because if the deities remember the past and future apart from the present, then will their entire happiness vanish or will the happiness persist? Everything will go waste. They will just remember that they will fall. *Arey*, we were so great in the Confluence Age, our respect and position was so great in the Confluence Age! Now there is not the question of being high and low in front of just a few of us, now everyone is a soul, everyone is in a soul conscious *stage*. There neither anyone is high nor is anyone low.

जिज्ञासु—आत्मा का पुरुषार्थ करना ही सब कुछ है।

बाबा—लेकिन आत्मा का पुरुषार्थ भी करेंगे कब? जब परमात्मा बाप से सहयोग मिलेगा तब आत्मिक स्थिती में टिकेंगे या अपने आप ही टिक जायेंगे? संबल कौन देता है? सहारा कौन देता है आत्मिक स्थिती में टिकने के लिए? बाप ही सहारा देता है या हम अपने आप अपना सहारा बन जाते हैं? बाप ही सहारा बनता है। तुम बच्चों को नैनों पर बिठाकर ऊपर ले जायेंगे।

Student: Making *purushaarth* for the soul itself is everything.

Baba: But when will you make *purushaarth* for the soul? Will you become stable in the soul conscious stage when you receive help from the Supreme Soul Father or will you become stable on your own? Who gives you support? Who gives you support to become stable in the soul conscious stage? Does the Father Himself give support or do we ourselves become our support? The Father Himself becomes the support. [It is said:] I will sit you children on my eyes and take you above.

(समय:—00:35:13—00:37:10)

जिज्ञासु — वसुधैव कुटुम्बकम्।

बाबा — वसुधैव कुटुम्बकम् तब बनेगा जब हम आत्मा बनेंगे तब सारी दुनिया हमारा कुटुम्ब बनेगी। अभी तो यह शरीर ही हमारा कुटुम्ब है, ये दस इन्द्रियाँ ही हमारे परिवार के साथी हैं। इनका भोग भोगने में हमको बहुत मस्ती है। अरे, ऐसा कोई बाप होता है जो अपने बच्चे को रोटी न दे और खुद खबाखब—2 चला जाये? माँ—बाप होते हैं पहले बच्चों को खिलाते हैं, बच्चों की परवरिश करते हैं, अपने परिवार की परवरिश करते हैं फिर उसके बाद कुछ बचता है तो खुद खाते हैं। कह देने से थोड़े ही हो जाता है कुटुम्ब।

जिज्ञासु — अंत में तो सभी आत्मायें भगवान के सामने तो झुक जायेंगे ना।

बाबा — तो? तो कहना क्या चाहते हैं?

जिज्ञासु — तो सभी बाप के बच्चे हैं ना।

बाबा – तो झुक गये? अरे, सबकी बात छोड़ दो। अभी कोई एक भी झुक गया? एक भी पूरा नहीं झुका। आज खुशी की बातें करेंगे; कल कोई बात पैदा हो जायेगी तो रोना शुरू कर देंगे। हमें ये बात अच्छी नहीं लगती, हमें वो बात अच्छी नहीं लगती। अरे, जब हम भगवान के भाँति बन गये, भगवान ने हमें अपना लिया तो कुछ हमारा अनिष्ट हो सकता है क्या? पाना था सो पा लिया। हमेशा इस खुशी में रहना चाहिए। तो सारा संगमयुग ही मौजों का युग है।

Time: 35.13-37.10

Student: *Vasudhaiv kutumbkam.*

Baba: Yes, *vasudhaiv kutumbkam* (the whole world is our family) will be formed when we become souls; then the entire world will become our family. Now this body itself is our family. These very ten *indriyaan* are the companions of our family. We enjoy their pleasures a lot. *Arey*, is there any father who doesn't give *roti* (bread) to his child and eats large meals himself? There are parents, they first feed their children, they sustain their children, they sustain their family; then they eat whatever is left over after that. A family is not formed just by saying.

Student: In the end all the souls will bow before God, will they not?

Baba: So, what do you want to say?

Student: Everyone is the Father's child, isn't he?

Baba: So, did they bow? *Arey*, leave the topic of everyone. Has even one person bowed now? Not even one person has bowed completely. Today they talk of joy; tomorrow some situation will arise and they will start crying. [They will say:] 'I don't like this; I don't like that'. *Arey*, when we have become the family members of God, when God has accepted us, then can any harm befall us? We have achieved whatever we wanted to achieve. We should always have this joy. Then, the entire Confluence Age itself is an age of enjoyment.

(समय:—00:38:22—00:39:08)

जिज्ञासु – ये भाई पूछ रहा है कि जितना याद करेंगे उतना स्थूल भोजन और नींद कम हो जायेगा।

बाबा – सही बात है।

जिज्ञासु – तो बेहद में क्या?

बाबा – बेहद की ही तो बात बता रहे हैं। हद की बात तुम जितना भोजन करेंगे, खायेंगे, हपाहप—2 खूब बढ़िया—2 रात को खाके सो जाओ, बढ़िया—2 तला हुआ खाके सो जाओ रात में पूरियाँ बनाके, हलुवा बनाके सवेरे को जल्दी उठेंगे या देर से उठेंगे? देर से उठेंगे। नींद ज्यादा आयेगी। वो हद का भोजन हुआ और ये है आत्मा का सूक्ष्म भोजन। तो सूक्ष्म बातें ही तो हो रही हैं अभी। याद का भोजन।

Time: 38.22-39.08

Student: This brother is asking that the more we remember [Baba] we will eat less food and need less sleep.

Baba: It is correct.

Student: So, what about the unlimited?

Baba: It is being told just about the unlimited. In the limited, the more you have meals, the more you eat, eat delicious food to your fill and sleep at night, eat nice things like *puris* fried in oil and *halvaa*⁴ and sleep in the night, will you wake up early in the morning or will you wake up late? You will wake up late. You will get more sleep. That is limited food and this is

⁴ *Puri and halvaa*: Indian delicacies

the soul's subtle food. So, it is just the subtle topics which are being discussed now. It is the food of remembrance.

(समय:-00:39:24-00:40:45)

जिज्ञासु – बाबा, अमृतवेला कभी-2 आलस्य आ जाता है... कभी-2 लगता है अच्छी याद रहेगी...

बाबा – ...फिर डाउन हो जाता है। माना 63 जन्मों के हिसाब-किताब पूरे हो गये? हिसाब-किताब चालू है? हिसाब-किताब और दिन प्रतिदिन शूटिंग के हिसाब बढ़ रहे हैं या घट रहे हैं? तो हिसाब-किताब जब पूरे हो जायेंगे तो लगातर याद टिक जायेगी। पाप कर्मों की रील जब घूमती है तो कितना भी पुरुषार्थ करें, कितनी भी दृढ़ इच्छा करें तो भी पुरुषार्थ अच्छा नहीं होता है और पुण्य कर्मों की रील जब घूमती है तो न चाहते हुए भी आटोमेटिक आत्मिक स्थिति बढ़िया बन जाती है। इसलिए बोला कि अभी 63 जन्मों का हिसाब-किताब चुकतु हो रहा है। अपने पुरुषार्थ के आधार पर हम पहचान सकते हैं कि हमने 63 जन्म पुण्य ज्यादा किये हैं या पाप ज्यादा किये हैं।

Time: 39.24-40.45

Student: Baba, sometimes at *amritvelaa* (early morning hours) we become lazy... sometimes we feel that we will have good remembrance...

Baba: ...then it goes *down*. It means that have the karmic accounts of the 63 births been cleared? Are the karmic accounts going on, are the karmic accounts increasing or decreasing according to the *shooting* day by day? So, when the karmic accounts are cleared, the remembrance will become constant continuously. When the *reel* of sinful actions rotates, then howevermuch *purushaarth* we make, however strong resolution we make, the *purushaarth* is not good and when the *reel* of noble actions rotates, then even if we don't wish, the stage becomes good automatically. This is why it was said that now the karmic accounts of 63 births is being cleared. On the basis of our *purushaarth* we can realize whether we have performed more noble actions (*punya*) or more sins for 63 births.

(समय:-00:47:57-00:52:04)

जिज्ञासु – बाबा, आज की मुरली में आया कि जो ज्यादा पुरुषार्थ करता है तो माया उसको जोर से झापड़ मारती है।

बाबा – तुम जितना तीखा पुरुषार्थ करेंगे माया उतना ही प्रबल रूप होकरके तुम्हारे ऊपर वार करेगी।

जिज्ञासु – ऐसा सुनकर ज्यादा पुरुषार्थ करने के वजह से ही माया परीक्षा ले रही है।

बाबा – अच्छा, तो परीक्षा देना खराब बात है क्या? ज्यादा परीक्षा देगा तो ज्यादा ऊँच पद पायेगा या छोटी-मोटी परीक्षा देगा तो ज्यादा ऊँच पद पायेगा?

जिज्ञासु – नहीं, बच्चे समझते हैं ज्यादा पुरुषार्थ करने के वजह से माया झापड़ मार रही है।

बाबा – अरे, बच्चे ये क्यों नहीं समझते कि ज्यादा हम पुरुषार्थ करेंगे तो ज्यादा ऊँच पद पायेंगे? ज्यादा परीक्षायें देंगे तो हमारा पद भी ऊँचा ज्यादा बनेगा। जो परीक्षायें भी नहीं देंगे उनका पद भी ऊँचा नहीं बनेगा। और माया सर्वशक्तिवान है या बाप ज्यादा सर्वशक्तिवान है? माया आपोजिशन करती है ये बात ठीक है, माया हमको बार-2 हमको डाउन करती है ये बात ठीक है। द्वापर के आदि से लेकरके हीरो पार्टधारी आत्मा मायावियों का मुकाबला करती रही या नहीं करती रही? करती रही। डाउन होती रही या हिम्मत हार गई? हिम्मत हार गई? हिम्मत नहीं हारी। डाउन होती गई। मालूम है कि ये विदेशी बड़े प्रबल हैं। इन्होंने भारत को पूरा ही तहस-नहस कर दिया तो भी राणा प्रताप ने, शिवाजी महाराज ने मुकाबला किया या हाथ पे हाथ धर के जिंदगी में कभी बैठ गये? मुकाबला किया। तो श्रेष्ठ पुरुषार्थी तब गाये

जाते हैं। हारिये न हिम्मत बिसारिये न राम। अगर हिम्मत हार गया तो हार गया। हारने वाला हारने वाला कहा जाता है या हिम्मत हारने वाला, हारने वाला कहा जाता है? साईकिल पर बार-2 चढ़ता है और बार-2 गिर पड़ता है तो वो अपने को हरने वाला कहे या साईकिल पर चढ़ना छोड़ता ही नहीं वो हारने वाला कहे? बार-2 गिरता है-3 तो हारने वाला है या जीतने वाला है? हिम्मत नहीं छोड़ता।

Time: 47.57-52.04

Student: Baba, it was mentioned in today's murli that the more someone makes *purushaarth*, the more forcefully Maya slaps them.

Baba: The sharper *purushaarth* you make, Maya will attack you more strongly.

Student: Listening to this when we make more *purushaarth*, Maya tests us more.

Baba: *Acchaa*, so is it bad to appear in a test? Will someone achieve a high position if he gives more tests or will he achieve a high position if he gives a small test?

Student: No, children think that because of making more *purushaarth* Maya is slapping them.

Baba: *Arey!* Why don't children think that if they make more *purushaarth* they will achieve a higher post? If they appear for more tests, the post that they achieve will also be higher. Those who do not appear for tests at all will not achieve a high post. And is Maya almighty or is the Father Almighty? Maya opposes us, this is correct; Maya takes us *down* again and again, this is correct. From the beginning of the Copper Age did the hero actor soul face the illusive souls or not? It did face. Did it go *down* or did it lose courage? Did it lose courage? It did not lose courage. It went *down*. It knows that these foreigners are very strong. Although they destroyed India completely, did Rana Pratap, Shivaji Maharaj face them or did they they sit idly in thier life? They faced them. Then they are praised as elevated *purushaarthis*. Do not lose courage and do not forget Ram. If you lose courage, you lose. Is a loser called a loser or is someone who loses courage called a loser? Someone gets on a *cycle* again and again and he falls down again and again; so, should he call himself a loser or will someone who does not stop getting on a cycle be called a loser? If he falls again and again, if he falls again and again, then is he a loser or a winner? He does not lose courage.

तो हिम्मत हारे हार है, हिम्मत करने से जीत ही जीत है। इसलिए बाबा ने कहा आखरी जीत किसकी होगी? अभी तो माया तुमको लगातार पछाड़ रही है। क्या? ये माया तुमको लगातार पछाड़ रही है और आगे चलकर और पछाड़ेगी। एक-2 में चौदह-2 ईविल सोल प्रवेश करेंगी, संगठित होकर के प्रवेश करेंगी। अभी भी ये भूत-प्रेत प्रवेश कर रहे हैं।

जिज्ञासु – तब हालत बहुत खराब हो जायेगी।

बाबा – पूरी खराब हो गई। हमारे साथ कौन है? हमें दृष्टि किसकी मिल रही है?

जिज्ञासु – बाबा से।

बाबा – माया को दृष्टि मिल रही है या हमको दृष्टि मिल रही है? बाप हमारे साथ है या मायावियों के साथ है? हमारे साथ है। तो हमारी हिम्मत और बढ़नी चाहिए या हिम्मत हार के बैठ जाना चाहिए? हमारी हिम्मत तो दिन दुगुनी रात चौगुनी बढ़नी चाहिए। हमको पक्का निश्चय है कि अंतिम विजय हमारी ही है।

So, if you lose courage, you lose; if you show courage, you win. This is why Baba has said that who will get the final victory? Now Maya is defeating you continuously. What? This Maya is defeating you continuously and it will defeat you even more in future. Upto fourteen evil souls may enter each every person; they will enter collectively. Even now these ghosts and spirits are entering.

Student: Then the situation will be very bad.

Baba: It is completely bad? Who is with us? Whose *drishti* are we getting?

Student: From Baba.

Baba: Is Maya receiving *drishti* or are we receiving *drishti*? Is the Father with us or is He with the illusive ones? He is with us; so should our courage increase even more or should we lose courage and sit? Our courage should increase day in and day out. We have the firm faith that the final victory belongs only to us.

(समय:-00:54:52-00:55:45)

जिज्ञासु – अव्यक्त वाणी में बाबा ने पहले बताया ऐसा दिन आयेगा कि तुम्हारे घर के बाहर क्यू लगेगी।

बाबा – तुम्हारे घर के बाहर?

जिज्ञासु – माना जो बाबा के बच्चे हैं...

बाबा – माउन्ट आबू में क्यू लगेगी।

जिज्ञासु – बाबा के बच्चों के पीछे नहीं क्या?

बाबा – ये कहा बाबा के बच्चों के पीछे क्यू लगेगी? ये कहा माउन्ट आबू में क्यू लगेगी। नीचे से, आबू रोड से लेकर के और माउन्ट आबू तक क्यू खतम ही नहीं होगी। हो सकता है चढ़ने की और उतरने की दोनों सड़के अलग-2 बनानी पड़े। जैसे तिरुपति यादगार है। अभी वहाँ चढ़ने के लिए अलग रास्ता और उतरने के लिए अलग-2 रास्ता।

जिज्ञासु-माउन्ट आबू में भी ऐसे ही?

बाबा-माउन्ट आबू में भी ऐसे करना पड़ेगा जब क्यू लगेगी तो फिर कैसे काम पूरा होगा?

Time: 54.52-55.45

Student: Baba told earlier in an avyakt vani that a day will come when a queue will be formed outside your house.

Baba: Outside your home?

Student: I mean those who are Baba's children...

Baba: The queue will be formed in Mount Abu.

Student: Won't a queue be formed behind Baba's children?

Baba: It was not said that there will be a queue behind Baba's children. It was said that a queue will be formed in Mount Abu. From below, from Abu Road and upto Mount Abu, the queue will not end at all. It is possible that a separate road will have to be built for going up and coming down. For example, there is a memorial in Tirupati. Now there is a separate road for going up and a separate road for coming down.

Student: It will be the same in Mount Abu as well?

Baba: The same thing will have to be done when a queue forms in Mount Abu as well. Otherwise how will the work be done?

जिज्ञासु-तो बाबा के बच्चों किसी को कुछ नहीं देंगे क्या?

बाबा-बाबा के बच्चों कुछ नहीं देंगे? और क्या बिन्दी देगी?

जिज्ञासु-नहीं, अज्ञानी वालों को।

बाबा-हाँ-2 जब बच्चों के सामने, बच्चों के दर पर दुनिया वाले पहुँचेंगे तब ही देंगे कि बिना पहुँचे देंगे? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) तो बच्चों का दर कौनसा होगा? जो बाप का दर सो बच्चों का दर। दर माना दरवाजा।

Student: Does it mean that Baba's children won't give anything to anyone?

Baba: Baba's children won't give anything, then will a point give [everything]?

Student: No, to the ignorant people.

Baba: Yes, the children will give [knowledge] only when the worldly people come in front of the children, in front of their door or will they give [knowledge] without the people reaching them? (Student said something.) So, which will be the children's door? The Father's door will be the children's door. *Dar* means door (*darvaazaa*).

(समय:—00:56:31—00:58:03)

जिज्ञासु – अभी माउन्ट आबू में रहने के लिए बाबा का पर्मिशन नहीं है किसी वार्तालाप में सुना।

बाबा – हाँ, प्रॉपर्टी खरीदने की पर्मिशन है। रहने की तो पर्मिशन नहीं है।

जिज्ञासु – किसलिए?

बाबा – अरे, जल में रहकर के मगरमच्छ से वैर अच्छी बात है या खराब बात है? बोलो। जल की नदी है मालूम है इस नदी के अंदर मगरमच्छ, क्रोकोडाईल बैठा हुआ है और वहाँ उस पे लड़ाई लड़ना शुरू कर दे जाके नदी के अंदर घुस पड़े। तो मारेगा, हमें मार देगा, खा जायेगा या हम उसे खा जायेंगे?

जिज्ञासु – खा जायेगा।

बाबा – हाँ, बाहर से बंदूकें छोड़ दो।

जिज्ञासु – अगर वहाँ आना जाना नहीं करते हैं तो प्रॉपर्टी वो अपने...

बाबा – देखभाल करने के लिए किसने मना किया? चुपचाप जाओ अपने देखभाल कर के भागे आओ। किसी दूसरे ने अगर कब्जा करना शुरू किया है तो रिपोर्ट करो, कागजी कारवाही करो, कोर्ट कचहरी करो।

Time: 56.31-58.03

Student: I heard in a discussion that now there isn't Baba's permission [for the children] to live in Mount Abu.

Baba: Yes, there is permission to purchase *property*. There isn't permission to live there.

Student: Why?

Baba: *Arey*, is it good or bad to have enmity with the crocodile while living in water? Speak up. Suppose, there is a river of water; you know that there is a crocodile sitting in it and you go and start fighting with it, you enter the river, then will it attack you, will it kill you, will it eat you or will you eat it?

Student: It will eat us.

Baba: Yes, you can shoot with a gun from outside.

Student: If we don't go there, then the property....

Baba: Who has stopped you from looking after [the property]? Go there quietly; take care of it and come back. *Report* [to the police] if you find that someone else has started occupying it. Do the paper work, go to courts. (Concluded.)